

### **कार्तवीर्यार्जुन-प्रयोग (kartaviryarjuna prayoga)**

कार्तवीर्यार्जुन-प्रयोग आज के समय में प्रत्येक साधक के लिए वांछकल्पद्रुम के समान है। राजा तथा चोर आदि से पीड़ित होने पर, शस्त्र, अग्नि तथा जहर के प्रयोग होने पर, महामारी तथा बुरे स्वप्नों की बाधा होने पर, ग्रह-भय तथा रोग-भय होने पर, भूत-प्रेत, राक्षस, गंधर्व, बेताल, पिशाच, द्वारा ग्रस्त होने पर, महाभय अथवा महाविनाश के समय, घोर महामृत्यु का भय होने पर अथवा सर्वस्व-हरण हो जाने पर इस प्रयोग का फल अचूक होता है। इतना ही नहीं यदि किसी व्यक्ति का धन नष्ट हो गया हो, अथवा कोई धन उधार लेकर या अन्य किन्हीं कारणों से धन वापस ना कर रहा हो तो उस धन की वापस प्राप्ति के लिए कार्तवीर्यार्जुन प्रयोग बहुत ही प्रभावी होता है।

यह प्रयोग एक दुर्लभ प्रयोग है, जिसे मैं साधकों के लिए यहां लिख रहा हूँ।

कार्तवीर्यार्जुन-प्रयोग से अपरिचित साधकों को यंहा कार्तवीर्यार्जुन के विषय में संक्षेप में उल्लेख करना आवश्यक समझता हूँ। 'कार्तवीर्य' को अर्जुन, सहस्रार्जुन, कार्तवीर्यार्जुन, तथा हैहयाधिपति भी कहा जाता है। इनके पिता का नाम कृतवीर्य तथा माता का नाम शालधरा था। ये हैहय देश के राजा थे और इनकी राजधानी का नाम माहिष्मति था। कठोर तपस्या के कारण इन्होंने भगवान दत्तात्रेय से कई वरदान प्राप्त किये थे, जिनमें सहस्र भुजाएं और स्वर्ण-रथ मुख्य थे। ये रावण के समकालीन थे और एक बाद इन्होंने उसे बन्दी भी बना लिया था, परन्तु उसके पिता महर्षि पुलस्त्य के कहने पर मुक्त कर दिया था। एक बार इन्होंने परशुराम जी के पिता जमदग्नि ऋषि की कामधेनु गाय का अपहरण कर दिया था तो परशुराम जी ने इनका वध कर डाला था।

प्रत्येक कार्य की सिद्धि के लिए इनके अलग-अलग मंत्र हैं। इसलिए जिस साधक का जो लक्ष्य हो, उसी से सम्बन्धित मंत्र का अनुष्ठान उसे करना चाहिए। वे मंत्र मैं क्रमशः लिख रहा हूँ।

**धन-प्राप्ति के लिए:-**

**ॐ कौं धनवकार्तवीर्यार्जुनाय नमः ।**

**जप संख्या- एक लाख**

**वशीकरण के लिए:-**



**COLLECTION OF VARIOUS**  
**-> HINDUISM SCRIPTURES**  
**-> HINDU COMICS**  
**-> AYURVEDA**  
**-> MAGZINES**

**FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)**

**Made with**



**By**

**Avinash/Shashi**

**Icreator of  
hinduism  
server!**

 **KAPWING**





**COLLECTION OF VARIOUS**  
**-> HINDUISM SCRIPTURES**  
**-> HINDU COMICS**  
**-> AYURVEDA**  
**-> MAGZINES**

**FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)**


**Made with**



**By**

**Avinash/Shashi**

**Icreator of  
hinduism  
server!**

 **KAPWING**

ॐ ह्रीं क्लौं वशीकरण कार्तवीर्यार्जुनाय नमः । जप संख्या- एक लाख  
सर्वकामना सिद्धि के लिए :-  
 ॐ क्लीं क्लौं कार्तवीर्य सर्व कामनायै नमः । जप संख्या-एक लाख  
शत्रु-नाश के लिए :-  
 ॐ ह्रीं क्लौं कार्तवीर्यार्जुनाय शत्रु-क्षय कामाय नमः। एक लाख  
सर्वलोक-वशीकरण के लिए:-  
 ॐ ह्रीं क्लौं क्लीं कार्तवीर्यार्जुनाय सर्वलोक वशीकरण कामाय नमः । उपरोक्त  
उच्चाटन के लिए:-  
 ॐ क्लौं कार्तवीर्यार्जुनाय उच्चाटन कामाय नमः। उपरोक्त  
अभीष्ट-सिद्धि के लिए:-  
 ॐ हुं फट् कार्तवीर्यार्जुनाय अभीष्ट सिद्धि कामाय नमः। उपरोक्त  
सर्व दुखों के नाश के लिए:-  
 ॐ कां कूं क्लीं कार्तवीर्यार्जुनाय सर्वदुख प्रशमन-कुपित-प्रसादन सर्वकामनायै नमः।  
 जप संख्या एक लाख  
सर्व कर्षों में बाधा-निवारण के लिए:-  
 ॐ क्लौं गां गीं गूं गं नमः । सर्वकार्याविघ्न कामाय नमः । जप संख्या एक लाख  
असाध्य की सिद्धि के लिए:-  
 ॐ गं नमः। क्लौं कार्तवीर्यार्जुनाय नमः। जप संख्या चार लाख  
सर्वरोग निवारण के लिए:-  
 ॐ दुख हर्ता कार्तवीर्यार्जुनाय सर्वरोग निवारण कामाय नमः। एक लाख  
व्यापार-वृद्धि के लिए:-  
 ॐ क्लीं कार्तवीर्यार्जुनाय व्यापार कामाय नमः। एक लाख  
राजा अथवा उच्चाधिकारी से कार्य कराने के लिए:-  
 ॐ क्लीं क्लौं कार्तवीर्यार्जुनाय राजसमीप कामाय नमः। एक लाख  
समस्त कार्यों की पूर्णता के लिये:-  
 ॐ क्लौं ह्रीं आं ह्रीं क्लौं श्रीं हुं फट् कार्तवीर्यार्जुनाय नमः। चार लाख  
नष्ट अथवा गये हुए धन की प्राप्ति के लिए:-  
 ॐ कार्तवीर्यार्जुनो नाम राजा सहस्रबाहुकम्। यस्य स्मरण मात्रेण हृत नष्टं च  
 लभ्यते ॥





**COLLECTION OF VARIOUS**  
**-> HINDUISM SCRIPTURES**  
**-> HINDU COMICS**  
**-> AYURVEDA**  
**-> MAGZINES**

**FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)**

**Made with**



**By**

**Avinash/Shashi**

**Icreator of  
hinduism  
server!**

 **KAPWING**





**COLLECTION OF VARIOUS**  
**-> HINDUISM SCRIPTURES**  
**-> HINDU COMICS**  
**-> AYURVEDA**  
**-> MAGZINES**

**FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)**

**Made with**



**By**

**Avinash/Shashi**

**Icreator of  
hinduism  
server!**

**KAPWING**

घर से रूठकर अथवा अन्य किन्हीं कारणों से गये व्यक्ति को वापिस बुलाने के लिए:-

ॐ कार्तवीर्यार्जुनो नाम राजा सहस्रबाहुकम्। यस्य स्मरण मात्रेण (अमुक) हृत नष्टं च लभ्यते ॥ जप संख्या एक लाख ।

कार्तवीर्यार्जुन-गायत्री मंत्र:-

ॐ कार्तवीर्यार्जुनाय विद्महे सहस्रकराय धीमहि। तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्॥

उपर्युक्त सभी मंत्रों के ध्यान, विनियोग, न्यास एवं विधान अलग-अलग हैं। इसलिए यदि किसी मंत्र का प्रयोग करें तो सर्वप्रथम किसी योग्य व्यक्ति से विधान का ज्ञान करने के उपरान्त ही आरम्भ करें।

.....